मध्यप्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय, भोपाल

मध्य प्रदेश विश्वविद्यालय अधिनियन के अधीन 1991 में स्थापित

आज़ादी का अमृत महोत्सव

विशिष्ट व्याख्यान

जलवायु परिवर्तन के संकट : वैश्विक परिपेक्ष में

अप्रैल 4, 2022 (3:30 - 5:00 PM)

डॉ जयंत सोनवलकर
माननीय कुलपति
मध्यप्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय, भोपाल

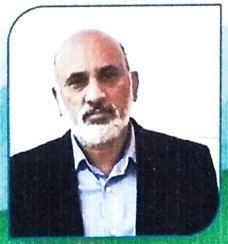

डॉ लोकेन्द्र ठक्कर
राज्य समन्वयक
राज्य जलवायु परिवर्तन ज्ञान प्रबंधन केंद्र
एवं
प्रभारी अधिकारी, स्टेट वेटलैंड अथॉरिटी,
पर्यावरण नियोजन एवं समन्वय संगठन (एप्को)

डॉ एल. एस. सोलंकी
कुलसचिव
मध्यप्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय, भोपाल

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन केंद्र (CIQA)

मध्यप्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय, भोपाल

कुलसचिव
म.प्र. भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय
भोपाल

मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय

ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में भारत दुनिया का चौथा सबसे बड़ा देश है: डॉक्टर ठक्कर

भोज मुक्त विवि में विशेष व्याख्यान

भोपाल (आरएनएन)। मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन केंद्र द्वारा जलवायु परिवर्तन के संकट- वैश्विक परिपेक्ष विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया।

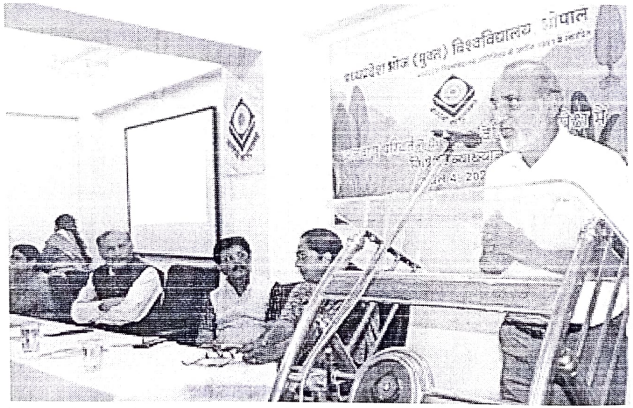

इस विषय पर विशिष्ट व्याख्यान देने के लिए डॉक्टर लोकेंद्र ठक्कर राज्य समन्वयक राज्य जलवायु परिवर्तन ज्ञान प्रबंधन केंद्र को आमंत्रित किया गया। डॉक्टर लोकेंद्र ठक्कर ने अपने व्याख्यान में जलवायु परिवर्तन से संबंधित विभिन्न पक्षों पर विस्तार से चर्चा की। सर्वप्रथम उन्होंने बताया की वर्ष 2021 अभी तक का सबसे गर्म वर्ष रहा है। डॉ ठक्कर ने बताया की हवा में जैसे-जैसे कार्बन डाइऑक्साइड की सांद्रता बढ़ेगी वैसे-वैसे पर्यावरण में तापमान बढ़ता रहेगा उन्होंने इस बात पर दुख व्यक्त किया कि दुनिया में पिछले 25 वर्षों में ग्रीन हाउस गैसों को कम करने की बात बहुत की गई किंतु इस पर काम बहुत ही कम किया गया और इन वर्षों के दौरान ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन कम होने की बजाय बढ़ता ही गया है। उन्होंने कहा कि औद्योगिक क्रांति के बाद से पृथ्वी की सतह का तापमान लगभग 1.4 डिग्री बढ़ चुका है। बड़े हुए तापमान से पृथ्वी के जीवो का अस्तित्व बहुत ही संकट में आ गया है। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया का चौथा सबसे बड़ा ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जक देश है। डॉ ठक्कर ने बताया कि जलवायु परिवर्तन के कारण वर्षा के दिन कम हो जाते हैं कहीं अधिक वर्षा होती है तो कहीं अल्प वर्षा होती है कहीं सूखा तो कहीं बाढ़ की स्थिति निर्मित हो जाती है। भारत में मध्य प्रदेश कार्बन उत्सर्जन के मामले में छठे में नंबर पर है। उन्होंने कहा की हमें ऊर्जा की खपत को कम करना होगा और कारबन आधारित ऊर्जा की जगह नवीकरणीय ऊर्जा की ओर ध्यान देना होगा। इस संबंध में सौर ऊर्जा बहुत ही महत्वपूर्ण स्थान रखती है। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन के कारण बहुत सारे देशों को काफी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहे हैं। समाज के हाशिए पर खड़े ऐसे लोग जलवायु परिवर्तन के सबसे पहले शिकार होते हैं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ जयंत सोनवलकर ने कहा कि आजकल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के इस्तेमाल से पर्यावरण संबंधित डाटा का विश्लेषण बहुत अच्छे से किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि भारत में ऋग्वेद में पर्यावरण की चर्चा की गई है। मूल रूप से मानव की उत्पत्ति ही पर्यावरण के कारण हुई है। पंचमहाभूत जिससे हमारा शरीर बना है वही पंचमहाभूत पर्यावरण में भी उपस्थित रहते हैं। प्रसन्न मन के लिए अच्छे पर्यावरण की आवश्यकता है । हमारे सामने पानी का बहुत ही गंभीर संकट है किंतु नदी जोड़ो परियोजना यदि सफल होती है तो यह पानी के संकट को कुछ हद तक कम किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि वेद उपनिषद और पुराणों में पर्यावरण संबंधी जानकारी भरी पड़ी है। रामायण में भी पर्यावरण की काफी चर्चाएं की गई है। उन्होंने कहा कि भारत एक ऐसा देश है जो 50000 साल से टिका हुआ है और आगे भी टिका रहेगा। डॉ सोनवलकर ने कहा कि मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय इसी साल जुलाई महीने में पर्यावरण पर आधारित एक सर्टिफिकेट कार्यक्रम चालू करने वाला है। कार्यक्रम का संचालन और विषय प्रवर्तन किया डॉ रिमिता सजन ने अतिथि परिचय कराया, डॉ साधना बिसेन ने। अंत में निदेशक आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन केंद्र डॉक्टर संदीप कुलश्रेष्ठ ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

म.प्र. भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय
राजाभोज मार्ग (कोलार रोड)

Madhya Pradesh Bhoj (Open) University, Bhopal

Kolar Road, Bhopal-462016, M.P., India

वृक्षारोपण कार्यक्रम का प्रतिवेदन

माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति महोदय के पदभार ग्रहण की वर्षगांठ के अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 08 जुलाई 2022 दिन, शुक्रवार समय प्रातः 10:30 बजे किया गया। उक्त कार्यक्रम में भोज मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर जयंत सोनवालकर, कुलसचिव डॉ एल. एस. सोलंकी एवं समस्त शिक्षक, अधिकारी एवं कर्मचारी गणों के द्वारा कई दुर्लभ प्रजातियों एवं औषधीय पौधो का वृक्षारोपण किया गया। इन दुर्लभ प्रजातियों एवं औषधीय पौधो के साथ ही आम, पीपल, बड़, कदंब, गूलर, एवं जामुन जैसे सर्वमान्य वृक्षो का भी रोपण किया गया।

औषधीय एवं विभिन्न प्रकार के वृक्ष इस प्रकार से रोपित किये गए है कि आगामी वर्षो में इन वृक्षों से औषधि के साथ ही पत्ती, फल, छाल एवं इमारती लकड़ी प्राप्त हो सके तथा विश्वविद्यालय की पर्यावरण के प्रति प्रतिबद्धता एवं प्रेम को मूर्त स्वरूप प्रदान किया जा सके। इस कार्यक्रम को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने में विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन केंद्र (CIQA) की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

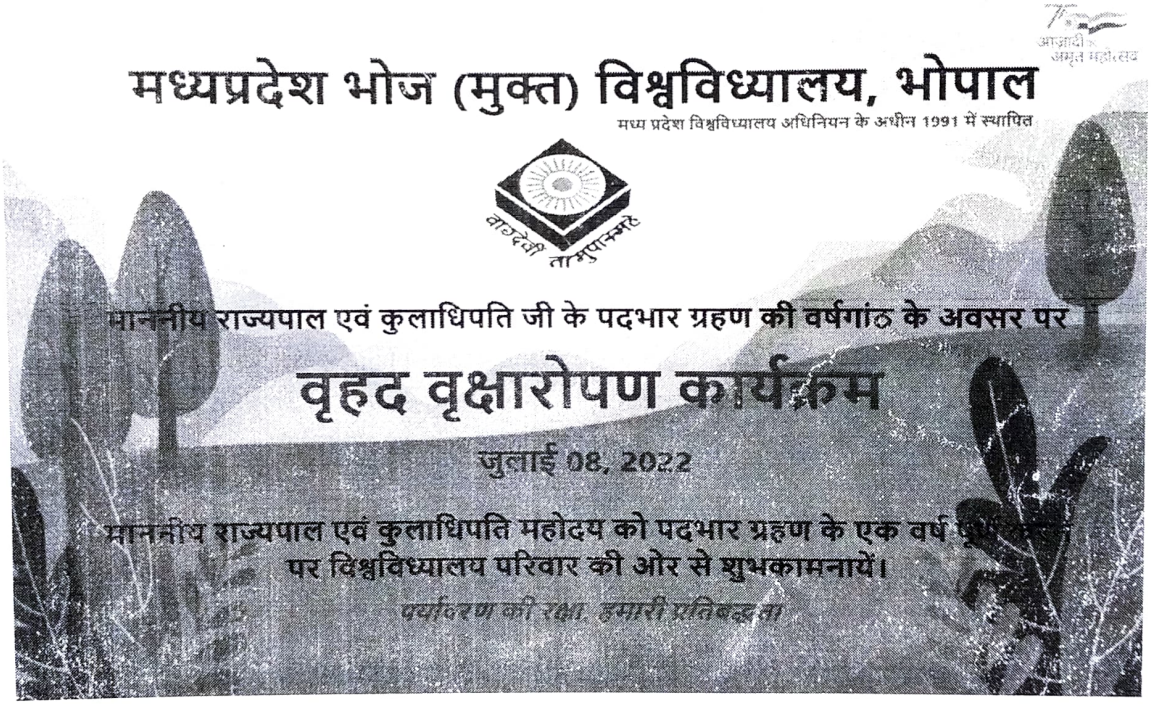

89/CIQA/MPBOU/22
04/08/22

4/8/2022

कुलसचिव
म.प्र. भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय

M.P. BHOJ (OPEN) UNIVERSITY, BHOPAL

WORLD ENVIRONMENT DAY
5 JUNE, 2022

अंतराष्ट्रीय पर्यावरण दिवस
(5 जून, 2022)

प्रतिज्ञा

हम सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञा करते हैं कि अपने सभी कार्यों में प्राकृतिक उत्पादों के संरक्षण हेतु सतत प्रयासरत रहेंगे, ताक़ि देश की प्रगति के लिए आवश्यक इन सीमित संसाधनों की आपूर्ति अधिक समय तक संभव हो सके। आदर्श नागरिक होने के नाते, हम प्राकृतिक पदार्थों के व्यर्थ उपयोग को रोकने के लिए लोगों को जागरूक करेंगे, ताकि आगे आने वाली पीढ़ी के लिए एक बेहतर वातावरण सुनिश्चित कर, एक नए व स्वस्थ भारत का निर्माण कर सकें।

संयोजक
आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन केंद्र (CIQA)

म.प्र. भोज (मुक्त) ...
राजाभोज मार्ग (कोलार रोड)
भोपाल

Madhya Pradesh Bhoj (Open) University, Bhopal

Centre for Internal Quality Assurance (CIQA)

Madhya Pradesh Bhoj (Open), University, Bhopal